

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 16 अप्रैल, 2022

वशिव चगास रोग दविस

वशिव चगास रोग दविस प्रतविरष 14 अप्रैल को मनाया जाता है। **वशिव स्वास्थय संगठन** (WHO) द्वारा 14 अप्रैल, 2020 को पहली बार वशिव चगास रोग दविस (World Chagas Disease Day) मनाया गया। गौरतलब है कि 72वीं वशिव स्वास्थय सभा ने 24 मई, 2019 को चगास रोग दविस के पदनाम को मंजूरी दी थी। इस दविस का उद्देश्य चगास रोग के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह बीमारी धीरे-धीरे फैलती है और मुख्य रूप से उन गरीब लोगों को प्रभावित करती है जिनके पास उचित स्वास्थय देखभाल की कमी होती है। इसलिये इसे **साइलेंट एवं साइलेंसड (Silent And Silenced) बीमारी** भी कहा जाता है। इस बीमारी का 'चगास' नाम डॉ कार्लोस रबिइरो जस्टिनिआनो चगास (Dr Carlos Ribeiro Justiniano Chagas) के नाम से लया गया है, जिन्होंने 14 अप्रैल, 1909 को ब्राज़ील में इस बीमारी के पहले रोगी का नदिन कया था। यह एक संक्रामक रोग है जो ट्रायटोमनि में मौजूद प्रोटोजन पैरासाइट से होता है कति यह सर्दी एवं फलू की तरह संक्रामक रोग नहीं है अरथात् यह एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं पहुँचता है।

सयाचनि दविस

भारतीय सेना प्रतविरष 13 अप्रैल को 'सयाचनि दविस' का आयोजन करती है। यह दविस 'ऑपरेशन मेघदूत' के तहत भारतीय सेना के साहस की स्मृति को चहिनति करता है। यह दविस दुश्मन से अपनी मातृभूमि की सेवा करने वाले सयाचनि योद्धाओं की याद में मनाया जाता है। भारतीय सेना के 'हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल' (HAWs) के कमांडेंट कर्नल नरेंद्र कुमार ने वर्ष 1977 में कुछ सैन्य अभयानों की शुरुआत की, जसिका उद्देश्य काराकोरम दर्रे के आसपास के कषेत्र को नयितरति करने की पाकस्तानी योजना के वषिय में पता लगाना था। गौरतलब है कि इसी बीच पाकस्तान ने इस कषेत्र को अपने नागरिकों द्वारा परवतारोहण अभयानों के लयि खोल दया और वह सैन्य नयितरण हासलि करने हेतु आगे की ओर बढ़ने लगा। इन्हीं परस्थितयियों में 13 अप्रैल, 1984 को 'ऑपरेशन मेघदूत' की शुरुआत की गई। इस अभयान के परणामस्वरूप भारतीय सेना ने सालटोरो रजि, सया ला और बलियाफोंड ला के मुख्य दररों पर नयितरण हासलि कर लया। ज्ञात हो कि सयाचनि ग्लेशयिर पृथ्वी पर सबसे ऊँचा युद्ध का मैदान है, जहाँ भारत-पाकस्तान वर्ष 1984 के बाद से समय-समय पर लड़ते रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परषिद

भारत को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परषिद के चार प्रमुख नकियों के लयि चुना गया है, जसमें वकिस हेतु वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी आयोग भी शामिल है। आर्थिक एवं सामाजिक परषिद (ECOSOC) वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापति संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के छह प्रमुख अंगों में से एक है। इसमें महासभा द्वारा चुने गए संयुक्त राष्ट्र के 54 सदस्य भी शामिल हैं। यह सतत वकिस पर वार्ता एवं अभनिव वचिर-वमिरश के लयि संयुक्त राष्ट्र का केंद्रीय मंच है। यह संयुक्त राष्ट्र की 14 वशिषिट एजेंसयियों, दस कार्यात्मक आयोगों और पाँच कषेत्रीय आयोगों के कार्यों का समन्वय करता है, नौ संयुक्त राष्ट्र नधियों और कार्यक्रमों से रिपोर्ट प्राप्त करता है तथा संयुक्त राष्ट्र प्रणाली व सदस्य राज्यों के लयि नीतगित सफिराशें जारी करता है।

'समानता दविस'

तमलिनाडु ने बी.आर. अंबेडकर जयंती को प्रत्येक वर्ष 'समानता दविस' के रूप में मनाने की घोषणा की। चेन्नई में अंबेडकर स्मारक में बाबा साहब की एक पूर्ण आकार की कांस्य प्रतमि स्थापति की जाएगी। साथ ही अंबेडकर के बारे में कुछ चुनदि पुस्तकों का तमलि में अनुवाद करने के बाद उन्हें प्रकाशति कया जाएगा। 17 सतिंबर को पेरयार की जयंती को तमलिनाडु सरकार द्वारा पहले ही सामाजिक न्याय दविस घोषति कया जा चुका है **14 अप्रैल, 1891 को जन्मे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एक भारतीय वधिवित्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतजिज्ञ और समाज सुधारक** थे। उन्होंने अछूतों (दलितों) के प्रतिसामाजिक भेदभाव के खलिफ अभयान चलाया और महलाओं एवं शर्मिकों के अधकियों का समर्थन कया। 6 दसिंबर, 1956 को उनका नधिन हो गया। **वर्ष 1990** में बाबा साहब को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानति कया गया था।